

रहीम

9th CLASS - HINDI - VIDEO BASED - STUDY MATERIAL

Highlights of the study material:

- Written in simple Hindi Language.
- Video Explanation for every Question in Telugu.

Explanation Video's ముందుగా చూడటానికి క్రింది you tube చానెల్ link ను క్లిక్ చేసి subscribe చేసుకోండి.



<https://www.youtube.com/channel/UCCP59ogwtsxho12dqnVYbVg>

M.V.V.N.BALARAMAMURTHY,
S.A. (HINDI), Z.P. HIGH SCHOOL,
BALLIPADU, ATTILI MANDAL,
WEST GODAVARI DISTRICT

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए:-

क. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता ?

ज) प्रेम आपसी लगाव आकर्षण और विश्वास के कारण होता है। यदि एक बार लगाव और विश्वास टूट जाए तो फिर उसमें पहले जैसा भाव नहीं रहता। एक दरार मन में आ जाती है। जिस तरह धागा टूटने पर पहले के जैसे जुड़ नहीं पाता। यदि जोड़ने का प्रयत्न किया जाए तो गाँठ पड़ जाती है।

ख. हमें अपना दुःख दूसरों पर क्यों नहीं प्रकट करना चाहिए? अपने मन की व्यथा कहने पर उनका व्यवहार कैसा हो जाता है?

ज) हमें अपना दुःख दूसरों पर प्रकट नहीं करना चाहिए। क्यों कि इस दुःख को सुनकर हमारी मजाक करके नीचा दिखाते हैं। दुःख को बाँटने का प्रयास नहीं करते अपितु उसे बढ़ाने का प्रयत्न करते हैं। इसलिए अपने मन की दर्द को अपने मन में ही छुपाये रखना है।

ग. रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों माना ?

ज) रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य माना क्यों कि सागर का जल खारा होता है। उसे पानी से किसी का भी प्यास नहीं बुझता है।

घ. एक को साधने से सब कैसे सध जाता है ?

ज) हमें अपने जीवन में परमात्मा को साधने से अन्य सारे काम अपने-आप सध जाते हैं। कारण यह है कि परमात्मा ही सब का मूल है। जिस तरह पेड़ के जड़ को पानी से सींचने से फल-फूल अपने-आप आ जाते हैं उसी प्रकार परमात्मा को साधने से सभी कार्य कुशलता पूर्वक संपन्न हो जाते हैं।

-2-

ड. जलहीन कमल की रक्षा सूर्य भी क्यों नहीं कर पाता ?

ज) वास्तव में कमल की मूल संपत्ति जल है। उसीसे कमल जीवित रहता है। यदि कमल जल में न रहे तो सूर्य भी उसे जीवन न दे सकता है। सूरज की किरणें कमल के लिए बाहरी शक्ति है। जल तो भीतरी शक्ति है। भीतरी शक्ति जल से ही कमल का जीवन चलता है।

<https://youtu.be/jpm7mObqzIU>

च) अवध नरेश श्रीराम को चित्रकूट क्यों जाना पड़ा ?

ज) अवध नरेश श्रीराम को चित्रकूट जाना पड़ा। अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करने के लिए 14 वर्षों तक वनवास भोगना पड़ा। वनवास के समय कुछ समय सीता लक्ष्मण के साथ श्रीराम जी को कुछ समय चित्रकूट में भी रुकने का मौका मिला।

<https://youtu.be/fyyFxq98LNA>

छ) 'नट' किस कला में सिद्ध होने के कारण ऊपर चढ़ जाता है?

ज) नट नाट्य कला में सिद्ध होने के कारण स्वयं को समेटकर, सिकुड़ कर कुंडली से भी निकलने में कुशल हो जाता है। और तार पर चढ़ जाता है।

<https://youtu.be/uo9xwoLyfZQ>

ज) मोती, मानुष, चून के संदर्भ में पानी के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

ज) रहीम के अनुसार पानी के तीन अर्थ हैं- चमक, इज्जत, जल। चमक के बिना मोती का कोई महत्व नहीं होता। इज्जत के बिना मनुष्य का समाज में मूल्य नहीं होता। जल के बिना चूना व्यर्थ है।

<https://youtu.be/aBx7YlqapXo>

- 3 -

2 निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए।

क. टूटे से फिर ना मिले गाँठ परिजाय। ?

ज) भाव यह है कि प्रेम का बंधन अत्यंत नाजुक होता है। कटुता से व्यवहार करने पर वह बंधन टूट जाता है। टूटने के बाद सरलता से नहीं जुड़ता है। टूटने के बाद सरलता से नहीं जुड़ता है। यदि जुड़ता भी है तो इसमें गाँठ पड़ जाती है।

ख. सुनि अठिलैंहें लोग सब, बाँटि न लैंहें कोय ।

ज) हम अपनी समस्या दूसरों को बताएँगे तो दूसरे लोग सहानुभूति दर्शाए बिना हमारा मजाक उड़ाता शुरू कर देते हैं। अतः दूसरों को अपना दुःख बताने से बचे रहना चाहिए।

<https://youtu.be/cf8cOFWiwsq>

ग) रहिमन भूलहिं सीचिंबो, फूलै फलै अघाय ।

ज) भाव यह है कि किसी पेड़ से फल-फूल पाने के लिए उसके तने, पत्तियों और शाखा को पानी देने के बिना केवल उसके जड़ में मानी डालते हैं। इससे वह पेड़ खूब हरा-भरा होता है। फलता फूलता है। इसी तरह परमात्मा की दया हम पर रहने से सफलता जरूर मिलती है।

<https://youtu.be/lgc7NviAPto>

घ) दीरघ दोहा अरथ के, आखर धोरे आहिं ।

ज) दोहे में शब्द छोटे-छोटे होने पर भी उसका अर्थ महान होता है। कम शब्दों में गहरा अर्थ समेटना दोहे की विशेषता है।

- 4 -

ड. नाद रीझि तन देत मृग, नर धन हेत समेत।

ज) प्रस्तुत पंक्ति का भाव यह है कि प्रसन्न होने पर मनुष्य ही नहीं पशु भी अपना सर्वस्व अर्पण करते हैं। जिस प्रकार हिरण संगीत की तान पर रीझकर शिकार के हाथों में फँस जाता है वैसे ही मनुष्य प्रेम में वशीभूत होकर अपना सब कुछ दे देता है। अर्थात् धन आर्जन में अपना सब कुछ अर्पण कर देता है।

<https://youtu.be/w0CaSjobJwA>

च. जहाँ काम आवै सुई कहा करे तरवारि।

ज) वस्तु की उपयोगिता उसके आकार के कारण नहीं, बल्कि उसकी उपयोगिता के कारण होती है। संसार में छोटी-छोटी वस्तु का भी अपना महत्व होता है। जैसे जो काम सुई करती है उसे तलवार नहीं कर सकती।

https://youtu.be/tWztPa2RE_c

छ. पानी गए न उबरै, मोती मानुष चून।

ज) वस्तु की उपयोगिता उसके आकार के कारण नहीं, बल्कि उसकी उपयोगिता के कारण होती है। संसार में छोटी-छोटी वस्तु का भी अपना महत्व होता है। जैसे जो काम सुई करती है उसे तलवार नहीं कर सकती।

<https://youtu.be/8x0AXqfHwjQ>

M.BALARAM